

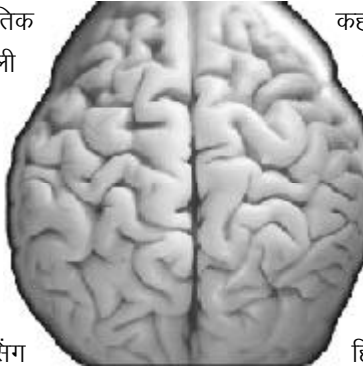
दिमाग में दायां-बायां विभाजन

इंसानों के ही समान मछलियों में भी दिमाग के दाएं व बाएं हिस्से अलग-अलग तरह के काम करते हैं। और हाल के प्रयोगों से पता चलता है कि यह बात परिस्थिति पर निर्भर करती है कि कौन-सा हिस्सा कौन-सा काम करेगा।

जैसे यह देखा गया है कि प्राकृतिक स्थिति में शिकारियों के बीच रहने वाली मछलियां किसी नई चीज़ को देखने के लिए अपनी बाईं आंख का उपयोग करती हैं। जबकि यदि उनकी संतानों को शिकारियों से दूर सुरक्षित माहौल में रखा जाए तो वे इसी काम के लिए दाईं आंख का उपयोग करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बाईं आंख से प्राप्त संकेतों का प्रोसेसिंग

दिमाग के दाएं हिस्से में और बाईं आंख के संकेतों का प्रोसेसिंग दिमाग के बाएं हिस्से में किया किया जाता है।

उपरोक्त परिणाम एडिनबरा विश्वविद्यालय की विक्टोरिया ब्रेथवाइट ने हाल ही में प्रकाशित किए हैं। ब्रेथवाइट का मत है कि जब सुरक्षित वातावरण में पत्नी मछलियां नई चीज़ों की जानकारी का प्रोसेसिंग दिमाग के बाएं हिस्से में करती हैं तो इसका मतलब है कि वे उन चीज़ों से डरती नहीं हैं। इसके विपरीत उनके माता-पिता हर नई चीज़ को एक खतरा मानते हैं क्योंकि उन्हें शिकारियों के बीच जीना होता



था। वैसे प्रयोगों में यह भी देखा गया कि दिमाग का यह कार्य विभाजन अगली पीढ़ी को विरासत में मिलता है। मगर दिमाग के किस हिस्से को किस काम में लगाया जाए, यह जंतु स्वयं सीखता है। दिमाग में यह कार्य विभाजन पार्श्वीकरण

कहलाता है और ऐसा प्रतीत होता है कि यह लगभग समस्त रीढ़धारी जंतुओं में पाया जाता है। जैसे पहले करंट बायोलॉजी में प्रकाशित शोध पत्र में इटली के ट्रिएस्ट विश्वविद्यालय के जियोर्जिओ वेलरटिगारा ने बताया था कि दिमाग का बायां हिस्सा संपर्कदर्शी व्यवहार प्रदर्शित करता है जबकि दायां हिस्सा दूर हटने का। जैसे कुत्ते अपनी पूंछ को दाईं ओर तब हिलाते हैं जब वे किसी परिचित इंसान को देखते हैं। मगर कोई आक्रामक कुत्ता दिखे तो वे पूंछ को बाईं ओर हिलाते हैं। यही हाल मछलियों का भी है।

इस तरह का पार्श्वीकरण इंसानों में भी होता है। बताते हैं कि दाएं या बाएं हाथ का अधिक उपयोग करना पार्श्वीकरण का परिणाम है। और इंसानों में भी इस पार्श्वीकरण को पलटा जा सकता है। जैसे देखा गया है कि पक्षाघात से पीड़ित व्यक्ति दिमाग के दूसरे भाग की मदद से कई कार्य करने लगते हैं। (स्रोत फीचर्स)